पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

महापुरूषों को याद करने से प्रेरणा मिलती है

----राज्यपाल

लखनऊः 22 अप्रैल, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज बाल संग्रहालाय चारबाग में राष्ट्रनायक चक्रवती सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य आयोजक मंडल द्वारा आयोजित सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य की 2359वीं जयन्ती के अवसर पर आश्वासन दिया है कि चन्द्रगुप्त मौर्य की जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर पर अवकाश घोषित किये जाने हेतु वे केन्द्र सरकार को उनका प्रतिवेदन प्रस्तुत करंेगे। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि संसद भवन के गेट नं0-5 पर लगी चन्द्रगुप्त मौर्य की प्रतिमा के अंलकरण हेतु वे लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति से भी सम्पर्क करेंगे। आयोजकों द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्मित सम्राट चन्द्रगुप्त की प्रतिमा सार्वजनिक स्थान पर लगाये जाने की मांग पर उन्होंने बताया कि लखनऊ के महापौर, डा0 दिनेश शर्मा से उनकी वार्ता हुई है और महापौर ने आश्वास्त किया है कि अगर कानूनी रूकावट नहीं होगी तो योग्य स्थान पर प्रतिमा की स्थापना की जायेगी।

श्री नाईक ने सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य को अपनी आदराजंलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका इतिहास बड़ा गौरवशाली है। चन्द्रगुप्त मौर्य महान सम्राट थे, जिन्होंने बड़ी कुशलता से राजकाज चलाया। भारत के नागरिक उनके बनाये इतिहास को नहीं भूलेंगे। चन्द्रगुप्त मौर्य ने अच्छा राज कैसे चले उसकी नींव डाली थी। ऐसे महान सम्राट पूरे देश के लिये आदर्श है और उन्हें जाति व समुदाय में नहीं बांटा जा सकता है। अपने इतिहास को स्मरण करने का महत्व है क्योंकि उससे चेतना पैदा होती है। राजा ऐसा हो जो प्रजा का नेतृत्व करे और जनता की भलाई करना उसका कर्तव्य हो। उन्होंने कहा कि ऐसे महापुरूषों को याद करने से हमें प्रेरणा मिलती है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत में सबसे ज्यादा आबादी युवाओं की है। युवाओं को सही मार्गदर्शन देने से देश और समाज आगे बढ़ सकता है। समाज को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिये वर्तमान को ध्यान में रखते हुए भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि जयन्ती के अवसर पर हमें संकल्प करना चाहिये कि समाज की भलाई के लिये कुछ न कुछ करते रहेंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने श्री मुरलीधर मौर्य, श्री हरदेव कुशवाह, श्रीमती माला कुशवाह, श्री चन्द्रिका प्रसाद कुशवाह, श्री लखपति मौर्य, श्री बी0डी0 मौर्य व अन्य लोगों को उनके सामाजिक कार्य हेतु अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया।

समारोह में श्री धमेन्द्र कुशवाह ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा पूर्व एमएलसी, श्री ब्रजभूषण कुशवाह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री, श्री राम आसरे सिंह कुशवाह ने भी अपने विचार व्यक्त किये। आयोजकों द्वारा राज्यपाल को भी अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

------

111 563 111
राष्ट्ररक्षक
चक्रवर्ती
सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य
का
2359वाँ जयन्ती

VIVEK
LALKUWA, LUCKNOW

राष्ट्ररक्षक
चक्रवर्ती
सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य